स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अभियान

एक नियम यह अपनाएँ
बाग-बगीचा स्वच्छ बनाएँ,
एक-एक पौधा लगाएँ
चारों ओर हरियाली फैलाएँ।

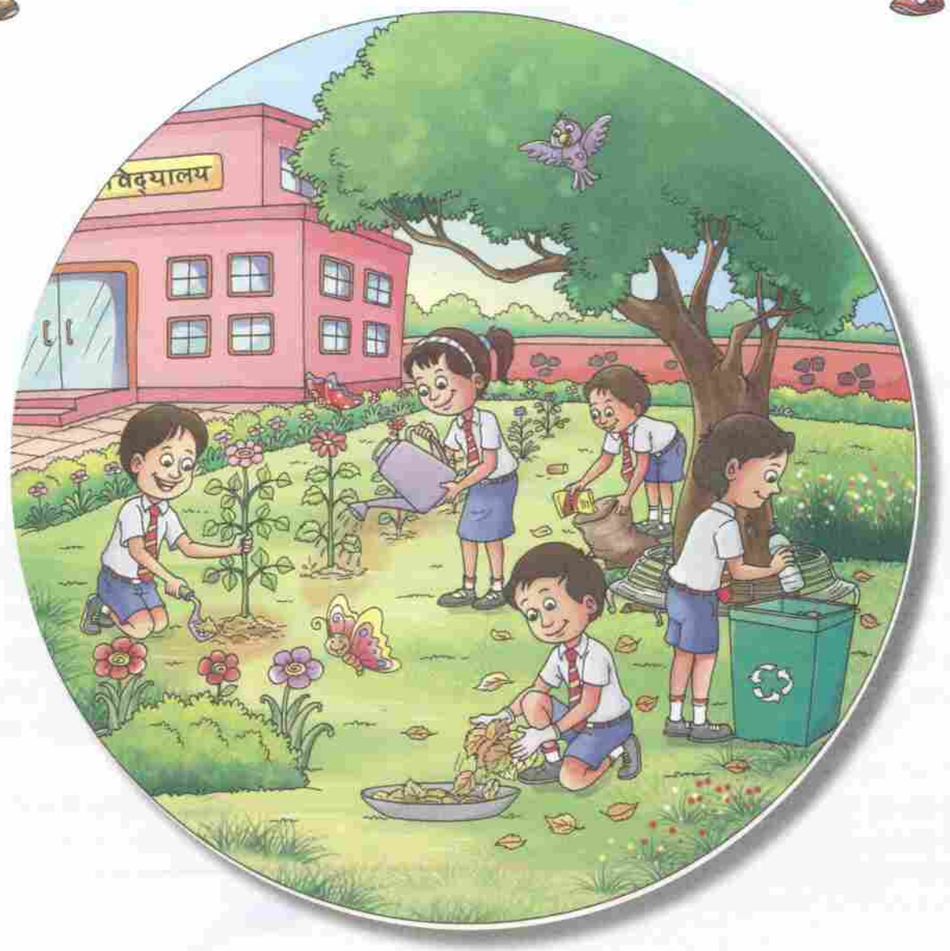

शिक्षण संकेत • शिक्षक/शिक्षिकाएँ **'स्वच्छ भारत, स्वच्छ विद्यालय अभियान'** के तहत इस गतिविधि को करवाएँ। महीने में एक दिन निर्धारित करें। ध्यान रहे कि इस गतिविधि को बच्चे शिक्षक-शिक्षिकाओं के निरीक्षण एवं दिशा-निर्देशों से संपन्न करें।

1

एक बूँद

पठन से पूर्व

परीक्षा में सफल वही होते हैं जो पूरे साल कठिन परिश्रम करते हैं। परिश्रम के दौरान उनके सामने अनेक बाधाएँ भी आती हैं, लेकिन वे उन बाधाओं को पार करते हुए जीवन में आगे बढ़ते हैं। जो बच्चे परिश्रम के डर से कार्य की शुरुआत ही नहीं करते, उन्हें जीवन में कभी भी सफलता नहीं मिलती।

पाठ-परिचय

इस कविता में एक बूँद के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई है। एक बूँद की तरह अगर हम निर्भयता से आगे बढ़ें, तो बहुत कुछ पा सकते हैं। जो बाधाओं से डरते हैं, वे कुएँ के मेढक की तरह एक दायरे में सिमटे रह जाते हैं।

चर्चा करें

बच्चों से पूछें कि घर से अकेले बाहर जाने पर उन्हें कैसा लगता है? क्या वे झिझकते हैं या उन्हें किसी प्रकार का डर लगता है? घर से बाहर या अकेले रहने पर उत्पन्न परिस्थितियों के बारे में चर्चा करें और उन्हें निर्भयता से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

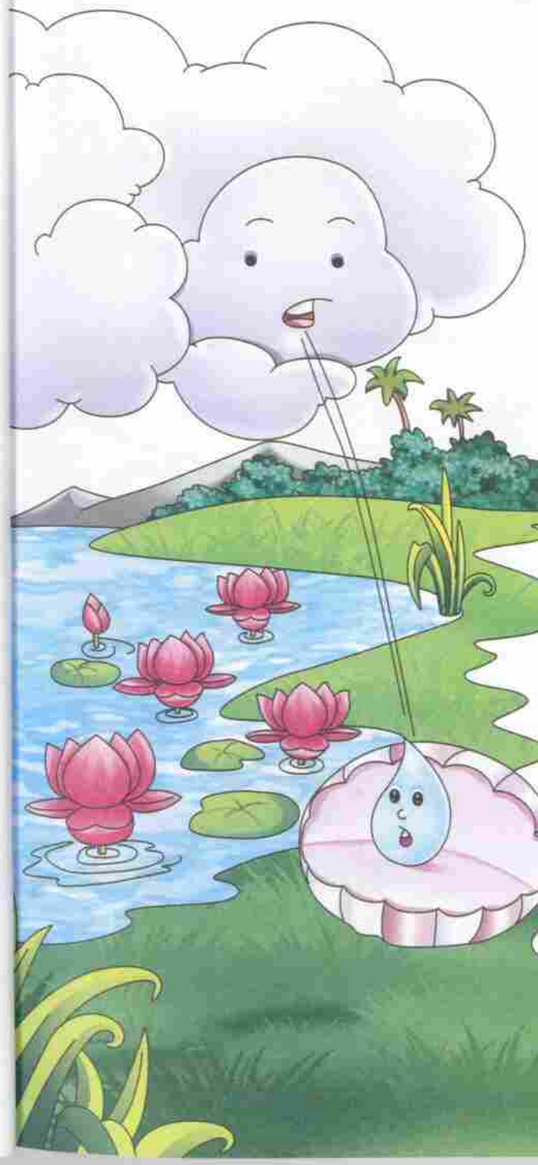

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी,
सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।

दैव, मेरे भाग्य में है क्या बदा
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में,
या जलूँगी गिर अँगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में?

बह गई उस काल एक ऐसी हवा
वह समुंदर ओर आई अनमनी,
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला
वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी।

लोग यूँ ही हैं झिझकते, सोचते
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर,
किंतु घर का छोड़ना अकसर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

–अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

मौखिक प्रश्न

1. बादलों की गोद से कौन निकली?
2. बूँद को कौन-सा डर सता रहा था?
3. हवा के वेग से बूँद कहाँ जाकर गिरी?
4. बूँद कहाँ पहुँचकर मोती बनी?

शब्दार्थ

जी	= मन (mood, mind)	**चू पड़ना**	= टपकना (to drip, to leak)
कढ़ी	= निकली (came out)	**समुंदर**	= समुद्र (sea, ocean)
दैव	= भाग्य, नियति (fortune, luck)	**अनमनी**	= बिना मन या इच्छा के (unwillingly)
बदा	= लिखा (wrote)	**सीप**	= शंख, एक प्राणी (shell)
अँगारा	= दहकता कोयला या लकड़ी (burning coal)	**लौं**	= समान, की तरह (like)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

बादल	- मेघ, जलधर, घन	**कमल**	- जलज, पंकज, सरोज	**गोद**	- अंक, क्रोड
दैव	- देवता, सुर, ईश्वर	**हवा**	- पवन, वायु, समीर	**समुद्र**	- सागर, जलनिधि, उदधि

विलोम शब्द

आगे	× पीछे	**सुंदर**	× कुरूप	**फूल**	×	काँटा
चलना	× रुकना	**खुला**	× बंद	**घर**	×	बाहर

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) बादलों की गोद से निकलकर बूँद क्या सोचने लगी?

(ख) हवा के वेग से बहती बूँद के मन की दशा कैसी थी?

(ग) बूँद सीप के मुँह में कैसे जा पड़ी?

(घ) सीप में गिरने पर बूँद का क्या हुआ?

(ङ) एक बूँद कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

2. **प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) 'बूँद' को किस बात का दुख हो रहा था?

(i) बूँद बनने का ☐ (ii) बादल बनने का ☐ (iii) घर छोड़ने का ☐

(ख) बूँद किसकी गोद से निकलकर आगे बढ़ी?

(i) माँ की ☐ (ii) बादल की ☐ (iii) धरती की ☐

(ग) हवा के वेग से समुद्र की ओर कौन आई?

(i) एक पत्ती ☐ (ii) एक परी ☐ (iii) एक बूँद ☐

(घ) समुद्र में किसका मुँह खुला था?

(i) मछली का ☐ (ii) सीप का ☐ (iii) मेढक का ☐

(ङ) लोग कब झिझकते और सोचते हैं?

(i) घर छोड़ते समय ☐ (ii) घर लौटते समय ☐

(iii) काम करते समय ☐

3. **कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए।**

लोग यूँ ही हैं झिझकते, सोचते
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर,
किंतु घर को छोड़ना अकसर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

शब्द-कौशल

Vocabulary

1. **दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।**

कमल -	_____ _____	फूल -	_____ _____
हवा -	_____ _____	घर -	_____ _____

2. **नीचे लिखे अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।**

(क) पर	_____ _____	(ग) दैव	_____ _____
(ख) जी	_____ _____	(घ) काल	_____ _____

भाषा-कौशल

Language-Skills

1. अनुनासिक को चंद्रबिंदु भी कहते हैं। इसका चिह्न (ँ) है। इसका प्रयोग स्वरों और व्यंजन वर्णों के ऊपर किया जाता है। जैसे- आँख, चाँद आदि।

पाठ में से चंद्रबिंदु वाले शब्द छाँटकर लिखिए।

2. 'कि' या 'की' लगाकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) बूँद बादलों _____ गोद से निकली।

(ख) बूँद ने सोचा _____ मैं अपना घर छोड़कर कहाँ जा रही हूँ।

(ग) बूँद को डर था _____ मैं बचूँगी या धूल में मिल जाऊँगी।

(घ) हम सब भी बूँद _____ तरह चिंता करते हैं।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

Creative Activity

पानी के बादल से निकलकर पुन: बादल बनने के सफ़र को अपने शब्दों में लिखिए।

खेल-खेल में

Fun Time

पता कीजिए कि समुद्र से सीप जैसी और क्या-क्या चीज़ें प्राप्त होती हैं और वे हमारे किस काम आती हैं?

वाचन-कौशल का विकास

Speaking-Skills

क्या आपको कभी अकेले रहने या बाहर अकेले कहीं जाने का अवसर मिला है? अपने अनुभव कक्षा में सुनाइए।

जीवन-कौशल

Life-Skills

बच्चो! इस संसार में जो निर्भय होकर आगे बढ़े, वे लोग ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। जिन्होंने कठिनाइयों के डर से अपने कदम नहीं बढ़ाए, उनके आगे बढ़ने की संभावनाएँ समाप्त हो गईं। क्या आप भी अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं? अगर हाँ, तो सोच-समझकर अपना एक लक्ष्य निर्धारित कीजिए और आगे बढ़ते जाइए।

अभिवृत्ति एवं जीवन-मूल्य

Attitude and Values

जब हम लोग अपने घर से बाहर कदम रखते हैं, तो हमारे मन में अनेक आशंकाएँ उठती हैं। न जाने आगे की राह कितनी मुश्किल हो, हम सफल होंगे या असफल, आदि बातें मन में उठने लगती हैं। परंतु जो साहसी एवं आत्मविश्वास से युक्त होते हैं, वे किसी भी स्थिति में नहीं घबराते और मार्ग में आने वाली हर बाधाओं को पार करते हुए अपनी मंज़िल पा लेते हैं। अत: साहस और आत्मविश्वास का दामन कभी नहीं छोड़ना चाहिए।